

४६



नेपाल राजपत्र

भाग ४

श्री ५ को सरकारद्वारा प्रकाशित

खण्ड ३२) काठमाडौं, मंसिर २० गते २०३६ साल (अतिरिक्ताङ्क ३६ (क))

श्री ५ महाराजाधिराजका प्रमुख सचिवालय राजदरबारको सूचना

श्री ५ महाराजाधिराज सरकारबाट राष्ट्रको सर्वाङ्गीण विकासको प्रक्रियामा विज्ञान तथा प्रविधिको प्रवर्धन, विकास र सहयोगको आवश्यकता महसूस गरिबक्सी यस क्षेत्रलाई बढी सार्थक र सक्रिय बनाउन “नेपाल राजकीय विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा-प्रतिष्ठान” को गठन गरिबक्सेको छ ।

उक्त प्रज्ञा-प्रतिष्ठानको कुलपतिको पद मौसूफ स्वयंबाट ग्रहण गरिबक्सेको छ ।

मौसूफ सरकारबाट यस प्रज्ञा-प्रतिष्ठानको कुलपतिको हैसियतले उप-कुलपतिको पदमा डा. रत्न शमशेर राणालाई नियुक्त गरिबक्सेको छ ।

श्री ५ महाराजाधिराज सरकारबाट “नेपाल राजकीय विज्ञान तथा प्रविधि प्रज्ञा-प्रतिष्ठान” को उप-कुलपतिको सिफारिशमा उक्त प्रतिष्ठानको सदस्य-सचिव पदमा डा. कमल श्रेष्ठलाई नियुक्त गरिबक्सेको छ ।

हुकुम बक्से बमोजिम,

रञ्जनराज खनाल

श्री ५ महाराजाधिराजका प्रमुख सचिव

श्री ५ को सरकारको छापाखाना, सिंहदरबार, काठमाडौंमा मुद्रित ।

आधिकारिक मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।

२४

रक्षा लाह

४ मार्च १९८८

राष्ट्रीय राजस्व विभाग कि ५ दि

(क) ३६ वृत्तवर्गीय (लाभ ३६०० कि ०५ प्रतिदिन, डिपेंडेंसी (९६००००

प्रलाभनीय छुट्टी कायदा अधिनियम ५ दि

विशेषज्ञता

नियम

राष्ट्रीय राजस्व विभाग की अधिनियम कि ५ दि अधिनियम कायदा अधिनियम ५ दि
द्वारा यह कि विभाग की अधिनियम अधिनियम अधिनियम ५ दि अधिनियम अधिनियम अधिनियम
कि "राष्ट्रीय-राष्ट्रीय अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम
। कि विभाग अधिनियम

। कि विभाग अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम
कि विभाग अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम
। कि विभाग अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम
-राष्ट्रीय अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम
अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम
। कि विभाग अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

राष्ट्रीय अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

राष्ट्रीय अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

राष्ट्रीय अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

। कि विभाग अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिनियम

आधिकारिकता मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।